an>

Title: Need to make proper arrangements for vaccination and treatment of Swine-Flu in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यन्त लोक महत्व के अविलंबनीय और तात्कालिक प्रश्न पर बोलने का अवसर दिया। आपने स्वयं और इस सम्मानित सदन में भारत के स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस पर गंभीर चिंता व्यक्त की और इस बात को स्वीकार किया कि पूरे देश में स्वाइन फ्लू के लगभग 17 हजार मरीज तमाम राज्यों में पाये गये हैं। उन्होंने उन 17 हजार मरीजों में से 965 मरीजों की मृत्यु का भी उल्लेख किया। इस देश में यह बीमारी वर्ष 2009 से शुरू हुई और आज वर्ष 2015 चल रहा है, इस साल अभी तक लगभग एक हजार लोगों की स्वाइन फ्लू से मौत हो चुकी है। यह हमारे समक्ष एक गंभीर चुनौती है।

माननीय मंत्री जी ने इसे स्वीकार किया कि हमने राज्यों से बात की है, मुख्यमंत्रियों से बात की है, स्वास्थ्य मंत्री से बात की है। उन्होंने यह भी कहा कि टेमी फ्लू, अल्टीमो, बाइबर आदि दवाओं की कोई कमी नहीं होने पायेगी, लेकिन इसके बावजूद भी आपने महसूस किया होगा कि शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश के डी.एम. को स्वाइन फ्लू हो गया। नैशनल पुलिस ऐकेडमी, हैदराबाद, जो अपने आप में एक बड़ी प्रेस्टीजियस पुलिस ऐकेडमी है, उसके पांच आई.पी.एस. ट्रेनीज को स्वाइन फ्लू हो गया। इतनी जागरुकता के बावजूद भी भारत सरकार के कई लोगों को स्वाइन फ्लू हो गया। मैं यह इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि अभी दो दिन पहले हम लखनऊ जा रहे थे तो जिस पायलट ने उस जहाज को लेकर जाना था, उसके परिवार को स्वाइन फ्लू हो गया, इस कारण वह फ्लाइट चार घंटे बाद गयी। स्वाभाविक है कि आज इस स्वाइन फ्लू का प्रकोप निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस बात की गंभीरता के बारे में दिल्ली हाई कोर्ट और उत्तर प्रदेश की हाई कोर्ट ने कहा कि तीन दिन के अंदर टेमी फ्लू और तीन लाख मास्क लोगों को उपलब्ध कराये जायें। स्थिति यह है कि अभी भी राज्यों के जिला अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के टैस्ट के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। बड़े शहरों में इसकी व्यवस्था है जैसे दिल्ली, लखनऊ है। वहां पर किसी को स्वाइन फ्लू के लक्षण पाये जाते हैं तो समय रहते उसका इलाज हो जाता है। लेकिन किसी छोटे डिस्ट्रिक्ट या गांव में रहने वाले व्यक्ति को स्वाइन फ्लू हो जाता है तो उसका इलाज न होने के कारण वह मर जाता है और वह डेथ रिपोर्टेड भी नहीं है। आज लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल या संजय गांधी, पी.जी.आई. में स्वाइन फ्लू फैला हुआ है। पिछले दिनों गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल अस्पताल में स्वाइन फ्लू का पोजीटिव टैस्ट हुआ। सिद्धार्थ नगर में भी लोगों की इस बीमारी से डेथ हुई है। अभी हम लोग एक्यूट इन्सेफ्लाइटिस सिंड्रोम की बात कर रहे थे। उसी तरह यह दूसरी बीमारी देश के तमाम राज्यों में फैल रही है। मैं जानता हूं कि हैल्थ राज्य का विषय है, लेकिन इस बीमारी का प्रकोप पूरे देश में बढ़ रहा है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इसके लिए एक टास्क फोर्स बनायी जाये और इस मर्ज को कैसे कर्ब किया जा सकता है, यह देखा जाये। ...(व्यवधान) मैं आखिरी बात कहकर अपनी बात समाप्त कर रहा हूं कि प्रिवैंशन के लिए वैक्सीन हो और ट्रीटमैंट प्रॉपर हो, इन दोनों की व्यवस्था की जाये। धन्यवाद।